नाम — पंकज कुमार

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका–

सतत विकास–

सतत विकास व विकास है जो कि अपने पीढ़ियों को आगे बढ़ाने का कार्य करता है और इससे पहले वह अपने वर्तमान को बढ़ाने का कार्य करता है।

सतत विकास का संगठन–

सतत विकास के संगठन को तीन प्रकार संदर्भ किया गया है

अर्थशास्त्री में एक व्यक्ति स्थान 1789 ने बताया और सतत विकास संगठन की ओर कई प्रकाशन दर्ज किया गया है

सतत विकास कैसे हो–

सतत विकास होने में बहुत सारे व्यक्ति ने अपनी अपनी बात कई अन्य प्रकार से व्यक्त किया है लेकिन अब नई पीढ़ियों में बहुत सारे नवयुवक इसके बारे में विकास की कई अन्य तरीके खोजे हैं जैसे आधार कार्ड के नंबर पता होने पर आपको पैसे के लिए बैंक में जाने की जरूरत नहीं आप आधार कार्ड के नंबर से भी किसी कंप्यूटर शॉप पर अपना पैसा निकाल सकते हैं यह भी एक सतत विकास का काम है।

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति–

सतत विकास लक्ष्यों की पूर्ति के कई सारे रास्ते हैं अपने आने वाली पीढ़ियों को अच्छी ज्ञान देने अनिवार्य है अपने आने वाली पीढ़ियों को अच्छा ज्ञान देना अनिवार्य है क्योंकि इससे हमारे सतत विकास पर आगे बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ेगा अगर अपने हर पीढ़ियों पर अच्छी तरह ध्यान नहीं किया जाएगा तो आने वाली पीढ़ी में विकास का दर कम हो जाएगा और इसकी इतनी अच्छी से पूर्ति नहीं हो पाएगी इसलिए हर दिन कुछ नया सोचना है और कुछ अलग करना है इससे आने वाली पीढ़ियों में सतत विकास कादर बढ़ता जाएगा।

युवाओं की भूमिका–

युवाओं की भूमिका क्या होनी चाहिए जिससे सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हो–

युवाओं की भूमिका वह होनी चाहिए कि वह जिस काम को करे वह अपने काम के प्रति बल हो और हर रोज उस काम को ध्यान पूर्वक करें इससे युवाओं की भूमिका में सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ेगा जिससे वह उसकी आने वाली पीढ़ियों पर ज्यादा से ज्यादा प्रभाव पड़ेगा और हमारी आने वाली पीढ़ियों भी उसी तरह काम करने को सोचेंगे।

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका–

1. **आने वाली पीढ़ियों को अच्छी शिक्षा प्रदान करें।**
2. **हर दिन कुछ नया करने का प्रयास करें।**
3. **आप जहां भी हैं वहां अच्छी शिक्षा प्रदान करें।**
4. **बच्चों पर ध्यान दें उनकी शिक्षा पर।**